पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2015-17 प्रकाशित: 16.06.2016 इस अंक का मूल्य 2 रुपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868002130

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् जम्मू का शिविर समापन

रविवार, 26 जून 2016
प्रातः 10 बजे से 1 बजे तक
मुख्य अतिथिः डा.अनिल आर्य
स्थानः आर्य समाज, जानीपुर जम्मू

वर्ष-33 अंक-2 आषाढ़-2073 दयानन्दाब्द 192 16 जून से 30 जून 2016 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 16.06.2016, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के चरित्र निर्माण शिविर का 315 युवकों से शुभारम्भ

संस्कारवान युवाओं से ही राष्ट्र का उज्जवल भविष्य-**आनन्द चौहान**

अमर शहीद पं. रामप्रसाद बिस्मिल के जीवन से प्रेरणा लें-**अनिल आर्य, राष्ट्रीय अध्यक्ष**

शिविर उद्घाटन पर सम्बोधित करते श्री आनन्द चौहान जी व द्वितीय चित्र में मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति श्री विनोद कुमार मिश्र (इलाहाबाद हाईकोर्ट) व अनिता मिश्रा का अभिनन्दन करते स्वामी आर्यवेश, प्रवीन आर्या, महेन्द्र भाई, रामकुमारसिंह, डा.अनिल आर्य,श्रद्धानन्द शर्मा, मायाप्रकाश त्यागी।

नोएडा। शनिवार, 11 जून 2016,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्,नई दिल्ली के तत्वावधान में आठ दिवसीय ''आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर'' का ऐमिटी इन्टरनेशनल स्कूल, सैक्टर–44, नोएडा में शुभारम्भ हो गया। शिविर में 315 किशोर व युवक योगासन,दण्ड बैठक, लाठी, जूडो–कराटे, स्तूप, बांक्सिग, लेजियम, डम्बल, आत्म–रक्षा प्रशिक्षण, नेतृत्वकला, भाषण कला, भारतीय संस्कृति, संध्या–यज्ञ,नैतिक शिक्षा, देश भक्ति की भावना आदि का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

शिविर का उद्घाटन ऐमिटी शिक्षण संस्थान के निदेशक श्री आनन्द चौहान ने दीप प्रज्जवलित करके किया। श्री चौहान ने कहा कि संस्कारवान व्यक्ति ही राष्ट्र का आधार स्तम्भ होते है,जो आने वाली पीढ़ी का मार्ग प्रशस्त करते हैं। समाज ऐसे ही कर्मशील व्यक्तियों का अनुसरण करके अपना मार्ग तय करता है। बिना संस्कारों के व्यक्ति ऐसा है जैसे आत्मा विहीन शरीर। उन्होंने कहा कि आर्य युवक परिषद् डा. अनिल आर्य के नेतृत्व में युवा निर्माण का शुभ कार्य पिछले अनेक वर्षो से कर रही है, मैं इसके लिए इन्हें व इनकी पूरी टीम को बधाई देता हूँ।

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी आर्यवेश ने कहा कि आज का युवा अपने पथ से भटक कर नशे में,पाखण्ड अन्धविश्वास में फंस रहा है,इन शिविरों के माध्यम से उन्हें सच्चे वैदिक धर्म को जानने का व समझने का अवसर मिलेगा। युवाओं को सही दिशा देने का कार्य आर्य

(शेष पृष्ठ 3 पर)

सार्वदेशिक सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी का अभिनन्दन करते डा.अनिल आर्य,न्यायमूर्ति श्री विनोद कुमार मिश्र, भानुप्रकाश शास्त्री, वेदप्रकाश आर्य, सुशील आर्य, अनिल हाण्डा, रामकुमारसिंह व अरूण आर्य। द्वितीय चित्र–आर्य नेता श्री श्रद्धानन्द शर्मा व सत्यवीर चौधरी का अभिनन्दन करते स्वामी आर्यवेश जी, न्यायमूर्ति श्री विनोद कुमार मिश्र, डा. अनिल आर्य, महेन्द्र भाई।

ऐमिटी कैम्पस,सैक्टर–44, नोएडा के मैदान में आर्य युवक पूर्ण गणवेश में सुसज्जित दिखायी दे रहे हैं

मोदी ने अमेरिकी सांसदों को प्रभावित किया

- अवधेश कुमार

यह मानने में कोई समस्या नहीं है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिकी संसद के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित करते हुए अमेरिकी सांसदों के समक्ष अपने देश की और अपनी धाक जमाई है। निश्चित रुप से यह एक राजनेता का भाषण था जिसने शानदार तरीके से वो सारी बातें रखीं जो अमेरिकी सांसदों के समक्ष रखना जरुरी था। भारत की सभ्यता संस्कृति की महानता के साथ उन्होंने आधुनिक राष्ट्र के रुप में हमारे विकास पर जोर दिया और इससे अमेरिका के साथ संबंधों की अपरिहार्यता का तंतु जोड़ा। हमारे देश की समस्या है कि यहां राजनीति में इतना तीखा विभाजन हो गया है कि विदेश नीति को भी पक्ष और विपक्ष के नजरिए से देखा जाता है। देश के बाहर नरेन्द्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री हैं और देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसलिए विदेश के प्रदर्शन को देश की दृष्टि से देखा जाना चाहिए। अगर पूरे भाषण के दौरान 66 बार तालियां बजीं, 9 बार स्टैंडिंग ओवेशन मिला यानी खड़ा होकर सांसदों ने तालियां बजाई तो साफ है कि मोदी का भाषण प्रभाव जमाने में सफल रहा। अगर संक्षेप में देखा जाए तो उन्होंने अपने भाषण में भारत की राष्ट्रीय दृष्टि, विश्व संबंधी विचार तथा इसके साथ भारत अमेरिकी संबंधों के महत्व को रेखांकित किया। भाषण को सुनने के बाद निश्चय ही भारत के बारे में तथा द्विपक्षीय संबंधों के संदर्भ में अनेक अमेरिकी सांसदों की सोच बदली होगी।

मोदी जहां भी बोलते हैं वहां के इतिहास के कुछ महान बातों या भारत के साथ संबंधों का कोई न कोई पहलू निकाल लेते हैं और भावनात्मक स्तर पर संबंध स्थापित करते की कोशिश करते हैं। भाषण आरंभ करते ही ही उन्होंने कहा कि अमेरिका वीरों का देश है। उन्होंने कहा कि मैं यहां आने के बाद सबसे पहले अर्लिंगटन राष्ट्रीय कब्रगाह में गया जहां इस महान देश के महान सेनाओं का कब्र हैं। मैंने उनके साहस को तथा स्वतंत्रता एवं लोकतंत्र के लिए उनके बलिदान को नमन किया। उन्होंने बलिदान इसलिए दिया कि विश्व स्वतंत्रता से रह सके। भारत जानता है कि इसक अर्थ क्या है क्योंकि हमारी सेना दूर के देशों के युद्धों में भी अपना बलिदान दिया स्वतंत्रता के लिए। यह भावनात्मक स्तर पर अमेरिका को जोड़ने वाला था क्योंकि वहां सैनिकों के प्रति आम नागरिकों के अंदर गहरा सम्मान है। मोदी ने बाबा साहेब अम्बेडकर का जिक्र करते हुए कहा कि बाबा साहेब ने यहां के कोलंबिया विश्वविद्यालय में वर्षों बिताया और अपनी प्रतिभा को निखारा। जब उन्होंने भारत का संविधान लिखा तो उन पर अमेरिका के संविधान का प्रभाव साफ था।

यानी भारत अमेरिका के परोक्ष संबंध तब से हैं जबसे हम इनकी कल्पना नहीं करते। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी के अहिंसा के संदेश ने मार्टिन लूथर किंग को प्रभावित किया। मोदी के इतना कहते ही सभी सांसद खड़े होकर तालियां बजाने लगे। उन्होंने शिकागो में दिए स्वामी विवेकानंद के भाषण का भी जिक्र किया। मोदी का कहना था कि भारत और अमेरिकी दुनिया के सबसे बडे और पुराने लोकतंत्र हैं और हमें एक दूसरे के दर्शन और अनुभवों से काफी सीखने की जरुरत है ताकि नैसर्गिक सहयोगी बनें। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत मुक्त लोगों और वीरों की इस भूमि से पुरुषों एवं महिलाओं की महान कुर्बानियों की सराहना करता है। उन्होंने अपने हाथ उठाए और तालियां बजाईं और इसके साथ ही पूरा सदन उठकर खड़ा हो गया और उनके साथ तालियां बजाने लगा। कहने की आवश्यकता नहीं कि इसने अमेरिकी सांसदों के दिलों को छुआ होगा।

इस तरह दर्शन और इतिहास पर पहले संबंधों स्थापित किया। उसके बाद वर्तमान स्थितियों पर आए। उन्होंने कहा कि अमेरिका और भारत के इतिहास अलग भले हों लेकिन हम लोकतंत्र के धागे से जुड़े हैं आजादी के बंधन से एक दूसरे से जुड़े हैं। दोनों देशों की सोच लोकतंत्र, स्वतंत्रता, समानता के स्तर पर एक है। हम दुनिया में स्वतंत्रता और समानता स्थापित करना चाहते हैं प्रभुत्व नहीं। इसके लिए भारत और अमेरिका के बीच वैचारिक और व्यावहारिक साझेदारी जरुरी है। उनका जोर इस बात पर था कि दोनों देशों को अतीत की बाधाओं को पीछे छोड़ना चाहिए क्योंकि भविष्य का आधार ठोस बन चुका है। भारत..अमेरिकी संबंध को गतिशील भविष्य का आधार बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच गठजोड एशिया से अफ्रीका और हिन्द महासागर से प्रशांत महासागर तक शांति, समृद्धि और स्थिरता का वाहक बन सकता है। उन्होंने साफ कर दिया कि भारत और अमेरिका की रणनीतिक साझेदारी वाणिज्य के समुद्री मार्ग और सागरों में नौवहन स्वतंत्रता की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर भी केन्द्रित है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत हिन्द महासागर क्षेत्र में अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है। इससे यह स्पष्ट हो गया कि भारत अब हिन्द महासागर से लेकर प्रशांत महासागर तक सुरक्षा का एक प्रमुख स्तंभ बनने जा रहा है। तो यह भारत की विस्तारित क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा भूमिका थी जिसे इसकी बढ़ती सैन्य ताकत के प्रमाण के रुप में पेश किया जा सकता है।

भारत और अमेरिका के बीच वैसे भी संबंध इतने अविच्छिन्न हो गए हैं कि उनके तोड़ना आसान नहीं। उदाहरण के लिए मोदी ने कहा कि आपके श्रेष्ठ सीईओ, एस्ट्रोनॉट्स, वैज्ञानकि, डॉक्टर्स और यहां तक कि स्पेलिंग बी कॉम्पीटिशन में भी भारतीय शामिल हैं। वे आपकी मजबूती तो हैं ही। लेकिन वे भारत के लिए गर्व भी हैं। यह सच है कि उतनी संख्या में भारतीय अमेरिका और भारत के बीच पुल का काम करते हैं। भारत के योग को अमेरिका में 3 करोड़ लोगों ने अपनाया है। मोदी ने कहा कि कर्व बॉल थ्रो करने से ज्यादा योग के लिए यहां के लोग अपने शरीर को मोड़ते हैं। फिर हल्के अंदाज में कहा कि हमने अब तक योग पर बौद्धिक संपदा अधिकार का दावा भी नहीं ठोंका है। इस पर तालियां भी बजीं और ठहाके भी लगे।

भारत में धार्मिक स्वतंत्रता पर हाल ही में आए अमेरिकी रिपोर्ट को ध्यान में रखते हुए मोदी ने कहा कि भारत एक है और इसकी एक ही पवित्र किताब है वह है हमारा संविधान। मेरे देश के 80 करोड लोग हर पांच साल पर मताधिकार की स्वतंत्रता का इस्तेमाल कर सकते हैं। हमारे सभी 1.25 अरब नागरिक भय से मुक्त हैं , जिसका वो अपने जीवन के हर क्षण में इस्तेमाल करते हैं। सभी नागरिक समान हैं यह विचार अमेरिकी संविधान का मुख्य स्तंभ हो सकता है, लेकिन हमारे संस्थापकों ने भी समान मत साझा किया और भारत के प्रत्येक नागरिक के लिए व्यक्तिगत स्वतंत्रता मांगी। भारत ने जब नए राष्ट्र के तौर पर जन्म लिया तब भारत पर संदेह किया, हमारी विफलता पर शर्त लगाई गई लेकिन, भारत के लोग नहीं लडखडाए। हमारे संस्थापकों ने एक आधुनिक राष्ट्र का निर्माण किया जिसमें स्वतंत्रता, लोकतंत्र और समानता इसकी आत्मा का सार है. उन्होंने कहा कि विविधताओं के बावजूद भारत आज एक होकर जीता है, एक होकर बढ़ता है और एक होकर उत्सव मनाता है। तो यह आधुनिक भारत का दर्शन था जो उन आलोचकों के लिए जवाब था जो मानते हैं कि भारत में कई प्रकार की आजादी पर बंदिशें हैं।

भाषण में आतंकवाद की चर्चा न हो ऐसा नही हो सकता है। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात में विश्व में आतंकवाद सबसे बड़ा खतरा है। भारत की पश्चिमी सीमा से अफ्रीका तक आंतकवाद के कई नाम हैं। आतंकवाद कहीं लश्कर तो कहीं आइएस (इस्लामिक स्टेट) के नाम से पल रहा है। लेकिन इनकी विचारधारा एक है, घृणा, हत्या और हिंसा की। पाकिस्तान का नाम भले नहीं लिया लेकिन कहा कि भारत के पड़ोस में आतंकवाद का पोषण हो रहा है। पूरे विश्व के समक्ष आतंकवाद सबसे बडा खतरा बना हुआ है और इससे कई स्तरों पर लडा जाना चाहिए क्योंकि पारंपरिक सैन्य, खुफिया या कूटनीतिक उपाय अकेले इन्हें परास्त करने के लिए पर्याप्त नहीं है। उन्होंने राजनीतिक फायदे के लिए आतंकवाद को बढावा देने और उसका अनुपालन करने वालों को पुरस्कृत करने से इंकार करके अमेरिकी संसद द्वारा स्पष्ट संदेश देने की सराहना की। दरअसल, उनका इशारा अमेरिकी कांग्रेस के सख्त एतराज के बाद पाकिस्तान को एफ–16 लड़ाकू विमान के लिए मदद देने से इनकार करने की ओर था। मोदी आतंकवाद के विरुद्ध विदेशी दौरों के अपने भाषणों में हमेशा बोलते हैं। उन्होंने अपनी वही बातें दोहराईं कि जो मानवता में विश्वास करते हैं वे एक साथ आंए और उन लोगों को अलग–थलग कर दें जो आतंक को पनाह देते हैं और उसे बढ़ने का मौका देते हैं। अच्छा और बुरा आतंकवाद कुछ नहीं होता। जो हिंसा को मजहब से जोड़े, वह आतंकवाद होता है। हमें एक आवाज में इसके खिलाफ खड़े होना है। यह अमेरिका पर भी टिप्पणी थी जिसने तालिबानों के एक पक्ष से बात करना आरंभ किया।

वास्तव में अपने करीब 47–48 मिनट के बिना पढ़े हुए दिए गए भाषण में मोदी ने भारत और अमेरिका के बढ़ते संबंधों से जुड़े सभी महत्वपूर्ण आयामों की चर्चा की। अपने देश की सोच को बिना हिचक रखा तो अमेरिका की भी प्रशंसा की लेकिन उसमें कहीं चापलूसी नहीं थी। कुछ बातें उनने अमेरिका को आइना दिखाने के लिए भी कहीं। मसलन, संबंधों में बाधाएं वो अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं हैं जो 21 वी सदी की वास्तविकता को प्रदर्शित नहीं करतीं। यानी सुरक्षा परिषद का विस्तार हो और भारत जैसे देशों को उसमें स्थायी सदस्यता मिले, विश्व बैंक और मुद्रकोष में वोटिंग अनुपात में परिवर्तन किया जए। कुल मिलाकर भाषण को ऐतिहासिक नही तो शानदार तो कहना ही होगा।

ई–30, गणेश नगर, पांडव नगर कॉम्प्लेक्स, दिल्ली–110092,
दूर.:0112248348,09811027208

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् का 38वां स्थापना दिवस सोल्लास सम्पन्न

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् का 38 वां स्थापना दिवस शुक्रवार, 3 जून 2016 को परिषद् कार्यालय आर्य समाज,कबीर बस्ती,दिल्ली में डा.अनिल आर्य की अध्यक्षता में सोल्लास मनाया गया। आचार्य योगेन्द्र शास्त्री,कविता आर्या, प्रवीन आर्या, गोपाल जैन के मधुर भजन हुए। महामन्त्री महेन्द्र भाई ने संचालन किया। चित्र में नन्दलाल शास्त्री की पुस्तक का विमोचन करते डा. अनिल आर्य, साथ में–धर्मपाल आर्य, विश्वनाथ आर्य, रामकुमार सिंह, सुशील आर्य, आचार्य गवेन्द्र शास्त्री व प्रवीन आर्य आदि। द्वितीय चित्र–परिषद् के शिक्षक–सौरभ गुप्ता, अरूण आर्य, रोहित आर्य, वरूण आर्य भजन प्रस्तुत करते हुए। ओम सपरा, के. के. सेठी, सुधीर घई, नेत्रपाल आर्य, सत्यपाल सैनी, वेदप्रकाश आर्य, विजय हंस, देवेन्द्र भगत, श्यामसिंह यादव आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे। समारोह के पश्चात प्रीतिभोज का आनन्द लेकर सब विदा हुए।

ऐमिटी कैम्पस, सैक्टर-44,नोएडा में 315 युवकों से युवक चरित्र निर्माण शिविर प्रारम्भ

शनिवार, 11 जून 2016 को शिविर उद्घाटन के अवसर पर मंच पर डा. अनिल आर्य, गायत्री मीना, श्रद्धानन्द शर्मा, मायाप्रकाश त्यागी, रामलुभाया महाजन व द्वितीय चित्र–डा.जयेन्द्र आचार्य दीप प्रज्जवलित करते हुए, साथ में श्री आनन्द चौहान, श्री विनोद कुमार मिश्र, स्वामी आर्यवेश, मायाप्रकाश त्यागी व डा.अनिल आर्य।

आर्य समाज, भलस्वा, दिल्ली का उत्सव सम्पन्न व नीता खन्ना का अभिनन्दन

रविवार, 29 मई 2016, आर्य समाज, भलस्वा, दिल्ली के उत्सव पर उतरी दिल्ली वेद प्रचार मण्डल के प्रधान श्री ओम सपरा का अभिनन्दन करते पार्षद ममता नागपाल, साथ में कृष्णचन्द पाहुजा, महेन्द्र भाई व संचालन करते श्री नन्दलाल शास्त्री। द्वितीय चित्र–आर्य युवती परिषद् की संरक्षक श्रीमती नीता खन्ना का अभिनन्दन करते डा. अनिल आर्य, महेन्द्र भाई, राकेश भटनागर।

श्री मायाप्रकाश त्यागी का अभिनन्दन व यज्ञ करते आर्य युवक

सार्वदेशिक सभा के कोषाध्यक्ष श्री मायाप्रकाश त्यागी का अभिनन्दन करते डा.अनिल आर्य,अनिल हाण्डा,प्रवीन आर्य आदि। द्वितीय चित्र–ऐमिटी शिविर में यज्ञ करते आर्य युवक व यज्ञमान बने सौरभ गुप्ता,अरूण आर्य।

(पृष्ठ 1 का शेष)

समाज कर रहा है, पूरे देश में सैकड़ों शिविर युवा निर्माण के चल रहे हैं । आर्य जनों को आर्य युवा निर्माण कार्य में दिल खोल कर सहयोग करना चाहिये।

सार्वदेशिक सभा के कोषाध्यक्ष श्री मायाप्रकाश त्यागी ने ओ3म् ध्वज फहराया,उन्होंने कहा कि ओ3म् की पावन पताका त्याग और बलिदान का सन्देश देती है। डा.जयेन्द्र आचार्य ने कहा कि आज नैतिक मूल्यों का निरन्तर हास हो रहा है,चारित्रिक पतन होता जा रहा है,परिवार टूटते जा रहे हैं क्योकि समाज का आधार सामाजिक,सांस्कृतिक मूल्य ही आज समाप्त होते जा रहे है ऐसे समय में ऐसे चरित्र निर्माण शिविरों का आयोजन वास्तव में एक आशा की किरण के समान हैं जो हमारी सांस्कृतिक धरोहर की रक्षा करेगा।

शिविर अध्यक्ष व केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि आज क्रांतिकारी अमर शहीद पं.रामप्रसाद बिस्मिल का जन्मोत्सव है,ऐसे वीरों के बलिदान से ही भारत आजाद हुआ,आजादी चर्खे तकली से नहीं आयी अपितु इसके लिये हजारों लोगों ने अपना बलिदान दिया, आज की युवा पीढ़ी को आजादी की कीमत समझकर व उसकी रक्षा का संकल्प लेना होगा। आज देश विघटन के दौर से निकल रहा है, चरित्रवान, देशभक्त युवा ही देश की रक्षा करेंगे। इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायधीश श्री विनोद कुमार मिश्र ने कहा कि आज समाज के सामने चारित्रिक पतन, कन्या भ्रूण हत्या, जातिवाद, आंतकवाद, प्रदूषण आदि अनेकों समस्याऐं मुँह बांये खड़ी हैं उसका निराकरण महर्षि दयानन्द के अनुयायियों को आगे आकर करना है। आचार्य भानुप्रकाश शास्त्री के मधुर भजनों का सभी ने रसास्वादन किया।

फरीदाबाद में आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर का भव्य समापन

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् फरीदाबाद के तत्वावधान में रविवार, 5 जून से रविवार, 12 जून 2016 तक श्रद्धा मन्दिर स्कूल, सैक्टर–87, फरीदाबाद में आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर का सुन्दर आयोजन डा.प्रेमपाल शास्त्री (हापुड़) की अध्यक्षता व डा. गजराजसिंह आर्य के सान्निध्य में किया गया। समारोह की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अनिल आर्य ने की। शिविर में 65 युवकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। चित्र में–शिक्षाविद् श्री डी. जी.सक्सेना का अभिनन्दन करते डा. अनिल आर्य, रामकुमार सिंह, डा.गजराजसिंह आर्य,जिला अध्यक्ष जितेन्द्रसिंह आर्य,वेदप्रकाश आर्य। मंच संचालन जिला मंत्री वीरेन्द्र योगाचार्य ने किया। महेश गुप्ता,विमला ग्रोवर,सीमा शर्मा,सुधीर कपूर,सत्यपाल आर्य,मनोज सुमन,सतपाल रहेजा,हरिओम शास्त्री,अमनसिंह शास्त्री,रोहित शास्त्री, विजय आर्य आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

आर्य कन्या सदन फरीदाबाद में आर्य बालिका प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् फरीदाबाद के तत्वावधान में दिनांक 22 मई से 29 मई 2016 तक आर्य कन्या चरित्र निर्माण शिविर का भव्य आयोजन आर्य कन्या सदन, सैक्टर–15, फरीदाबाद में श्री पी. के. मितल की अध्यक्षता में किया गया। चित्र में– श्री ईश आर्य (हिसार) का अभिनन्दन करते डा. अनिल आर्य, पी. के. मितल, दुर्गापसाद शर्मा, जितेन्द्रसिंह आर्य व वीरेन्द्र योगाचार्य। द्वितीय चित्र–पुरस्कृत बालिकाओं के साथ अधिकारी गण। मदन तनेजा, डा. सत्यदेव गुप्ता, विमला ग्रोवर, प्रवीन गोयल, अशोक गर्ग, सतीश शर्मा आदि उपस्थित थे। डा. आरूषि ने कुशल संचालन किया।

पलवल में आर्य युवक शिविर का दयानन्द विद्यालय में शुभारम्भ

आर्य युवक परिषद् पलवल के तत्वावधान में सोमवार, 13 जून से रविवार, 19 जून 2016 तक दयानन्द उच्च. विद्यालय, पातली गेट, पलवल में आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर का शुभारम्भ किया गया। शिविर में 140 युवक भाग ले रहे हैं। चित्र में–शिविर अध्यक्ष स्वामी श्रद्धानन्द सरस्वती को सम्मानित करते डा. अनिल आर्य, ठाकुरलाल आर्य, तुलाराम आर्य, बुधराम आर्य, अनिल हाण्डा व सुशील आर्य। द्वितीय चित्र–आर्य युवक ध्वजारोहण के लिये तैयार, वीरेन्द्र आर्य (जीन्द) मुख्य शिक्षक प्रशिक्षण दे रहे हैं।

आर्य समाज विकासपुरी व मस्जिद मोठ, दिल्ली में बैठक सम्पन्न

आर्य समाज, विकासपुरी, डी ब्लाक,दिल्ली में शिविर तैयारी हेतु डा. अनिल आर्य के साथ समाज के प्रधान श्री हरीश कालरा, ओमप्रकाश घई, मन्त्री बलदेव सचदेवा, दयानन्द दहिया, महेन्द्र भाई आदि। द्वितीय चित्र–दक्षिण दिल्ली वेद प्रचार मण्डल की बैठक आर्य समाज, मस्जिद मोठ, नई दिल्ली में मन्त्री श्री चतरसिंह नागर, डा.अनिल आर्य, प्रधान श्री रविदेव गुप्ता, कवि विजय गुप्ता व अर्चना पुष्करना।

श्री प्रकाशचन्द आर्य प्रधान निर्वाचित

आर्य समाज, अशोक नगर, दिल्ली के चुनाव में सर्वसम्मति से श्री प्रकाशचन्द आर्य,–प्रधान, श्री पवन गांधी–मन्त्री व श्री ओमप्रकाश चावला काषाध्यक्ष निर्वाचित हुए। युवा उद्घाष की हार्दिक बधाई।

अपीलः केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् को सहयोग के लिए खाता सं. 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली–110007, आई.एफ.एस.कोड -SBIN0001280 पर सीधे भेज कर हमें फोन न. 9868002130 पर एस.एम.एस कर दें जिससे रसीद भेजी जा सके।

– डा. अनिल आर्य, मो.09810117464

शोक समाचारः विनम्र श्रद्धांजलि

1. श्री शिवलाल जुनेजा (पूर्व प्रधान, आर्य समाज, विकासपुरी, ग्रुप हाउसिंग, दिल्ली) का निधन।
2. श्री अजेय कपूर (भ्राता श्री विजय कपूर, इन्द्रपुरी, दिल्ली) का निधन।
3. श्रीमती सुशीला देवी गक्खड़ (माता श्री ईशकुमार गक्खड़, जनकपुरी) का निधन।
4. श्रीमती सरोजनी सचदेव (बाहरी रिंग रोड़, विकासपुरी) का निधन।
5. श्री लखपतसिंह आर्य (भ्राता श्री मायाराम शास्त्री) का निधन।
6. श्री सुभाष वधवा (सुभाष नगर) का निधन।

सम्पादकः **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली–5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी–176–177, कबीर बस्ती, दिल्ली–7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970